छह नए रेलमार्गों पर अब दौड़ेगी इलेक्ट्रिक ट्रेन

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद। मार्च 2014 तक छह नए रेलमार्गों पर इलेक्ट्रिक ट्रेनें दौड़ सकती हैं। इसका फायदा गोरखपुर, गोंडा, बस्ती, वाराणसी, भदोही, मेरठ, सहारनपुर, खुर्जा, गाजियाबाद, बरौनी, कटिहार, जम्मू रूट पर ट्रेनों से सफर करने वालों को मिलेगा। इसकी घोषणा मंगलवार को केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन (कोर) के महाप्रबंधक जगदेव कालिया ने की। इसके साथ ही उन्होंने दावा कि छिवकी से सतना-रीवा सेक्शन में इसी वर्ष कार्य शुरू हो जाएंगे। योजना आयोग ने छिवकी से इटारसी तक रेलमार्ग को वर्ष 2017 तक विद्युतीकृत करने का लक्ष्य दिया है लेकिन कोर इसे एक साल पहले ही पूरा करने की कोशिश करेगा। दूसरी ओर उन्होंने यह भी कहा कि ब्लॉक न मिलने के कारण विद्युतीकरण के कार्यों में देरी हो रही है।

वाराणसी-ऊंचाहार वाया फाफामऊ-इलाहाबाद, लखनऊ-गोरखपुर-बरौनी-कटिहार, खुर्जा-मेरठ-सहारनपुर, जम्मूतवी-पठानकोट, गाजियाबाद-मेरठ, डिंडीगुल-मदुरै-कन्याकुमारी रूट पर अगले साल मार्च तक इलेक्ट्रिक ट्रेनें दौड़ने लगेंगी। कानपुर-झांसी रूट के कार्य भी लगभग पूरे हो गए हैं। यह रूट भी चालू हो सकता है। तीन महीने पहले गाजियाबाद-वाराणसी-लखनऊ-मुरादाबाद रूट को ट्रेनों के लिए खोला जा चुका है। महाप्रबंधक ने कहा कि लखनऊ-कटिहार रूट इलेक्ट्रिक ट्रेनों के लिए खुलने पर पूर्वोत्तर की ओर जाने वाले यात्रियों को सुविधा होगी। पिछले वित्त वर्ष में कोर ने 937 रूट किमी को विद्युतीकृत किया है। 380 रूट किमी विद्युतीकरण आरवीएनएल और जोनल रेलवे ने किया है। कुल 1317 किमी रेलमार्ग विद्युतीकृत किए गए। दावा किया कोर के इतिहास में पिछले वर्ष हुए विद्युतीकरण के कार्य नए रिकार्ड हैं।

गोरखपुर-बस्ती मार्ग पर इलेक्ट्रिक ट्रेन मार्च से शुरू होगी